

19.08.25

आज यह पत्रावली तहसील रूप मुखल  
 द्वारा लिखी जाय होने पर पेश हुअ  
 हमें वकील प्रथम को सुना गया  
 पत्रावली पर उ-होने कोगत करया  
 (1) कि वारिस को 29000 के बिके जाय  
 दो क (वडा) कमी में पाने का नाम  
 तहापि राज क (डिया) गया है कर।

उले तहापि राम शुद्ध विधा जल  
 हमने वहा उभयपक्ष पर मगर विधा  
 गया पत्रावली पर लिखे तहसील रूप मुखल  
 का मनीमो लि करया विधा गया कि ली  
 करया पर हम प्रथम - पत्रा वली विधा  
 गुण उचित पर है। अतः प्रथम - पत्रा  
 लीम विधा जल तहसील रूप मुखल को  
 आदेशित विधा गया है कि खाता सं. 628,  
 खाता सं. 496, खाता सं. 535, खाता सं. 537  
 बिके जाय दो क (वडा) कमी में पाने का नाम  
 तहापि राज पुत्र प्रेमसिंह के लिये पर तहापि राम  
 पुत्र प्रेमसिंह जाते जल किं दो क (वडा) कमी  
 तहसील मुखल (मदयु) मी 0 शुद्ध विधा जल

पत्रावली के काम प्रथम सेवक नाम से करा है  
 वर तहसील जल। दाखिल रूपल है।

राधेश्याम मीम  
 (मुसावर (अस्तपुर) राज 0  
 मुखल)